पल्लव

भाग–2

शिक्षा (प्राथमिक) विभाग, असम सरकार

वंदेमातरम्

वंदेमातरम्! वंदेमातरम्!!
सुजलां, सुफलां, मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलां मातरम्, वंदे मातरम्।
शुभ्र-ज्योत्स्नापुलकितयामिनीम्।
फुल्ल-कुसुमित-द्रुम-दल शोभिनीम्।
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां, वरदां, मातरम्।
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!!

– बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय

Copyright-SCERT, Assam
not be republished

पल्लव

भाग-2

(सातवीं कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्य एवं अभ्यास पुस्तक)

प्रस्तुतिकरण

राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद, असम

नाम : ....

विद्यालय का नाम : ....

शाखा : .... क्रम संख्या : ....

Copyright : SCERT, Assam
not to be republished

PALLAV, BHAG - II : A textbook cum workbook for class VII in Hindi for Non-Hindi Medium Schools, developed by State Council of Educational Research and Training (SCERT) and Published by Asom Rastrabhasha Prachar Samiti, Guwahati - 32, Assam.

Free Textbook

All right reserved : No reproduction in any form of this book, in part (except for brief quotation in critical articles or reviews), may be made without written authorization from the publisher.

©: SCERT, Assam.

प्रथम प्रकाशन : 2012
पुनर्मुद्रण : 2013
पुनर्मुद्रण : 2014
पुनर्मुद्रण : 2015
पुनर्मुद्रण : 2016
पुनर्मुद्रण : 2017
पुनर्मुद्रण : 2018
पुनर्मुद्रण : 2019
पुनर्मुद्रण : 2020
पुनर्मुद्रण : 2021
पुनर्मुद्रण : 2022

प्रकाशक : **असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी**

असम सरकार द्वारा निःशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित पाठ्यपुस्तक

शिक्षा अधिकार कानून – 2009 के अनुसार बच्चों को मातृभाषा सीखने के साथ–साथ क्लासिकल भाषाएँ सीखने का भी अधिकार है। अत: इसी बात को ध्यान में रखते हुए एस. सी. ई. आर. टी., असम ने नई पाठ्यचर्या प्रस्तुत की है, जिसमें त्रिभाषा नीति में कुछ संशोधन किया गया है। इसके अनुसार विद्यार्थी संपूर्ण तीसरी भाषा (100%)अथवा तीसरी भाषा (50%)+अन्य चौथी भाषा (50%) ले सकते हैं। संपूर्ण तीसरी भाषा के लिए पूरी किताब और तीसरी भाषा (50%) +चौथी भाषा (50%)के लिए पाठ संख्या 1, 2, 3, 5, 8, 10, 13, 14 और 16 निर्धारित हैं।

(टैक्स्ट पेपर 70 जीएसएम तथा कवर पेपर 165 जीएसएम पर मुद्रित)

मुद्रक : हिंदुस्तान ऑफसेट प्रा.लि.
बामुनीमैदाम, गुवाहाटी–21

Copyright - SCERT, Assam
not to be republished

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एल.एल.बी.
मंत्री, असम

सत्यमेव जयते

वित्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
शिक्षा, परिकल्पना एवं विकास,
लोक-निर्माण विभाग

संदेश

किसी समाज के विकास की मूल संचालन शक्ति है – शिक्षा। इसलिए नई पीढ़ी को सही शिक्षा से सुशिक्षित करने का दायित्व अग्रजों पर है। इसमें सरकार की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। शैक्षिक संस्थानों में शिक्षा-प्राप्ति की मुख्य आधार है – पाठ्यपुस्तक। किसी भी अच्छी पाठ्यपुस्तक के जरिए विद्यार्थी-जीवन की सही दिशा और ज्ञान के क्षेत्र में अभिवृद्धि होती है, जिससे उन्हें भविष्य में एक अच्छा नागरिक बनने में सहायता मिले। आर्थिक रूप से सामान्य परिवार तथा गरीब परिवार के छात्र-छात्राएँ भी पाठ्यपुस्तक के अभाव में शिक्षा-प्राप्ति से वंचित न हों, इसके प्रति असम सरकार पूर्णतः दायित्वशील है।

इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने विगत कई वर्षों से सरकारी, प्रादेशीकृत और सरकारी सहायताप्राप्त विद्यालयों के 'क' श्रेणी से दसवीं श्रेणी तक के सभी छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें प्रदान करती आई है। सरकार ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं की सुविधार्थ तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरीय शिक्षा व्यवस्था की उन्नति हेतु निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की योजना को प्रसारित करने का प्रबंध किया है। इसी क्रम में शैक्षिक वर्ष 2018-19 से 11वीं और 12वीं श्रेणी की कला, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक शिक्षा संकायों के सरकारी, प्रादेशीकृत और सरकारी सहायताप्राप्त विद्यालय, महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सरकार ने मूल पाँच विषयों की पाठ्यपुस्तकें निःशुल्क प्रदान करने की व्यवस्था की है।

वर्तमान सरकार गुणवत्तासंपन्न शिक्षा के प्रसार और विद्यार्थियों के शैक्षणिक उत्कर्ष के लिए सतत् प्रयासरत है। राज्य में गरीबी के कारण उच्च शिक्षा से कोई विद्यार्थी वंचित न हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के अलावा सालाना एक लाख से कम आय वाले आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के विद्यार्थियों को मैट्रिक और उच्चतर माध्यमिक परीक्षा का शुल्क माफ करने की व्यवस्था की गई है। माध्यमिक स्तर पर भी विद्यार्थियों के नामांकन शुल्क माफ किया गया है। वर्तमान सरकार ने राज्य में पहली बार उच्चतर माध्यमिक और स्नातक श्रेणी में नामांकन करने वाले गरीब परिवार के छात्र-छात्राओं के शुल्क माफ करने की महती योजना को कायान्वित किया है। सरकार आगामी शैक्षिक वर्ष से स्नातकोत्तर श्रेणी में नामांकन करने वाले गरीब छात्र-छात्राओं के लिए भी इस योजना को प्रसारित करेगी। इससे निश्चित तौर पर भविष्य में छात्र-छात्राएँ उच्च शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक रूप से अग्रसर होने के लिए राज्य के प्राथमिक स्तर पर शिक्षा का वास्तविक मूल्यांकन के लिए तथा एक स्पष्ट और सटीक अवधारणा प्राप्ति के लिए राज्य सरकार ने गुणोत्सव जैसा कार्यक्रम भी अपनाया है और इसके सकारात्मक परिणाम भी मिले हैं।

शिक्षा के अन्य क्षेत्रों के अलावा मुख्यतः विद्यार्थी-केंद्रिक शिक्षा नीति पर हम विश्वास रखते हैं। आशा है कि राज्य के विद्यार्थी अपनी शिक्षा-साधना के बल पर ज्ञानार्जन कर राष्ट्र की संपदा के रूप में अपने आपको प्रस्तुत करेंगे। विद्यार्थियों को निःशुल्क हिंदी पाठ्यपुस्तक आपूर्ति के इस महान कार्य को कार्यान्वित करने के लिए मैं असम उच्चतर माध्यमिक शिक्षा संसद, असम माध्यमिक शिक्षा परिषद्, राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम राज्य पाठ्यपुस्तक प्रणयन और प्रकाशन निगम व संबंधित विभागों सहित असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति की सफलता की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान करता हूँ।

हिमंत विश्व शर्मा

(डॉ. हिमंत विश्व शर्मा)

Copyright SCERT Assam
not to be republished

पाठ्यपुस्तक की प्रस्तुति से संबंधित व्यक्ति

कार्यशाला में शामिल व्यक्तिगण :

श्री गोलोक चंद्र डेका	: व्याख्याता, हिंदी विभाग, गुवाहाटी महाविद्यालय, गुवाहाटी
श्री कुल प्रसाद उपाध्याय	: प्राध्यापक, राजभाषा विभाग, भारत सरकार
श्री रामनाथ प्रसाद	: सहायक साहित्य सचिव, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी
श्री हेमंत कुमार राभा	: विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, नारंगी आंचलिक महाविद्यालय
श्री पुण्यव्रत बरदलै	: व्याख्याता, हिंदी विभाग, नारंगी आंचलिक महाविद्यालय
श्री दिलीप चंद्र शर्मा	: शिक्षक, कॉटन कॉलेजिएट हायर सेकेंडरी स्कूल, गुवाहाटी
श्री सुरेश सिंह	: शिक्षक, टी.आर.पी. हिंदी हाई स्कूल, मालीगाँव

विशेष सहयोग :

श्री अजयेंद्र त्रिवेदी	: वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा विभाग, यूको बैंक, जोनल ऑफिस, गुवाहाटी
श्री मृदुला बरुवा	: प्राध्यापक, एस.सी.ई.आर.टी, असम

पुनरीक्षण :

डॉ. अच्युत शर्मा	: एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय
श्री गोलोक चंद्र डेका	: व्याख्याता, हिंदी विभाग, गुवाहाटी महाविद्यालय, गुवाहाटी

संकलन, संपादन एवं अलंकरण :

डॉ. सुष्मिता सूत्रधर दास	: विभागाध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग, एस.सी.ई.आर.टी, असम
डॉ. अंजलि काकति	: व्याख्याता, हिंदी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, उत्तर गुवाहाटी
श्री करबी दास	: व्याख्याता, एस.सी.ई.आर.टी, असम

सी.आर.सी. और इलास्ट्रेशन :

श्री जयंत भागवती, श्री विचित्र शर्मा

सलाहकार

डॉ. सुष्मिता सूत्रधर दास
विभागाध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी, असम

समन्वयक

श्रीमती सुवला दत्त शइकीया
व्याख्याता, पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यचर्या विभाग,
एस.सी.ई.आर.टी, असम

डी.टी.पी.

□ लाचित दास □ श्यामंतक डेका

Copyright SCERT, Assam
not be republished

आमुख

असम राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) ने तृतीय भाषा की उपयोगिता तथा विद्यार्थियों की आयु-सीमा को ध्यान में रखते हुए सातवीं कक्षा के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक **पल्लव, भाग-2** तैयार की है। सरकार ने अधिसूचना संख्या - PMA.103/ 2011/5 दिनांक Dispur, the 27th May 2011 के अनुसार शैक्षिक वर्ष 2011 से पाँचवीं कक्षा को निम्न प्राथमिक स्तर में शामिल किया है। **इस तरह उच्च प्राथमिक स्तर में छठी से आठवीं तक हिंदी-शिक्षण अनिवार्य है।** राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 को ध्यान में रखते हुए राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम ने तृतीय भाषा शिक्षण के लिए नई पाठ्यचर्या का निर्माण किया है। पाठ्यचर्या में सन्निविष्ट संस्तुतियों के आधार पर हिंदीतर भाषी विद्यार्थियों के लिए इस पाठ्यपुस्तक का प्रणयन किया गया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीन विकास के लिए पाठ्यपुस्तक को योग्यता आधारित, कार्यकलाप समन्वित एवं आनंददायक बनाने का प्रयास किया गया है। पुस्तक को अधिक आकर्षक बनाने के लिए यथास्थान रंग-बिरंगे चित्रों का समावेश किया गया है।

उल्लेखनीय है कि प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक में प्रतिष्ठित कवि-साहित्यकारों के लोकप्रिय एवं बहुप्रचलित गीत, कविताएँ, कहानियाँ आदि संकलित की गई हैं। उन्हें हम श्रद्धा से स्मरण करते हैं। उच्च प्राथमिक स्तर से विश्वविद्यालय स्तर तक के शिक्षक-शिक्षिकाओं, असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के अनुभवी व्यक्तियों, वरिष्ठ प्रबंधक, राजभाषा, यूको बैंक, जोनल ऑफिस सहित अनेक शैक्षिक संस्थानों के सहयोग से कार्यशालाओं के जरिए यह पाठ्यपुस्तक तैयार की गई है। जिन व्यक्तियों के अथक प्रयत्न से प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक को अध्येता-वर्ग के सामने लाना संभव हुआ है, उनके प्रति परिषद् आभार व्यक्त करती है। प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक के प्रणयन में असम सर्वशिक्षा अभियान मिशन से प्राप्त आर्थिक सहायता के लिए हम आभारी हैं।

सरकार के निर्देशानुसार निर्धारित अवधि के भीतर ही पाठ्यपुस्तक का प्रणयन किया गया है। अतः पाठ्यपुस्तक में कुछ अनिच्छाकृत त्रुटियाँ रह जाना स्वाभाविक है। इसके लिए मान्य शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं पाठकों के सुझाव आमंत्रित हैं।

निरदा देवी

(डॉ. निरदा देवी)
निदेशक
राज्यिक शिक्षा-गवेषणा एवं प्रशिक्षण परिषद्, असम

काहिलीपाड़ा, गुवाहाटी
दिसम्बर, 2020

Copyright SCERT, Assam
not to be republished

पाठ्यपुस्तक से संबंधित दो बातें

(शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रति)

असम सरकार ने सन 2011 से पाँचवीं कक्षा को उच्च प्राथमिक स्तर से अलग करके निम्न प्राथमिक स्तर में शामिल कर दिया है और उच्च प्राथमिक स्तर में छठी कक्षा से आठवीं तक की कक्षाओं को अंतर्भूक्त किया है। अत: विद्यार्थियों की आयु को ध्यान में रखकर **'पल्लव, भाग-2'** नामक इस पाठ्यपुस्तक का प्रणयन किया गया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 सुझाती है कि बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। नई राज्यिक पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने के प्रयास है। इस पाठ्यपुस्तक का मुख्य उद्देश्य है- दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा को समझना तथा बोलचाल की क्षमता का विकास करना। साथ ही दैनिक जीवन में आवश्यक वार्तालाप, संभाषण, पारिवारिक पत्र, आवेदन-पत्र आदि के लिए उपयुक्त भाषा-व्यवहार में दक्षता बढ़ाना।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखकर **'पल्लव, भाग-2'** में विभिन्न प्रकार के कुल सोलह पाठ शामिल किए गए हैं। इनमें गीत, कविताएँ, कहानियाँ, वर्णनमूलक लेख आदि हैं। विद्यार्थियों के मनोविज्ञान के आधार पर प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में अलग-अलग पृष्ठभूमि रखी गई है और नए-पुराने कौशलों एवं शैलियों का प्रयोग किया गया है, ताकि सभी पाठ-शिक्षण-कार्य के दौरान इन बातों पर जरूर ध्यान रहे ।

पाठ की विषयवस्तु को आनंदप्रद बनाने के साथ प्रत्येक पाठ में दी गई अभ्यास-माला को आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है। अभ्यास-मालाओं में प्रश्नों को आकर्षक तथा मनोग्राही ढंग से पेश करने का प्रयास किया गया है। इनमें पाठ आधारित प्रश्नों के अलावा सामूहिक चर्चा, विषय, परियोजना, व्याकरणिक दृष्टि से भाषा-अध्ययन और हमारे चारों ओर के वातावरण के संबंध में ज्ञान अर्जित करने की भी सुविधा दी गई है। इसके अतिरिक्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ विभिन्न जन संचार माध्यमों के जरिए विद्यार्थियों को ज्ञान-प्राप्ति में योगदान देंगे।

'पल्लव, भाग-2' में अभ्यास-मालाओं के जरिए व्याकरण-शिक्षण की व्यवस्था रखी गई है। पाठों में दी गई अभ्यास-मालाओं में क्रमानुसार व्याकरण-शिक्षण की व्यवस्था है। व्याकरण-शिक्षण में प्रायोगिक व्यवस्था को अधिक महत्व दिया गया है। इस पाठ्यपुस्तक में 'आओ, जानें' शीर्षक के अंतर्गत व्याकरणिक तथ्यों की व्याख्या करने के अलावा विद्यार्थियों के सामूहिक ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास भी है। शिक्षक-शिक्षिका अपनी सुविधा और समय के अनुसार पर्याप्त उदाहरणों से विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ाने की व्यवस्था करें।

पाठों में संलग्न भाषा-ज्ञान, वार्तालाप की क्षमता आदि बढ़ाने के उद्देश्य से शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए सामूहिक चर्चा या पाठ पढ़ाते समय हिंदी में बातचीत करना अत्यंत आवश्यक है। वे विद्यार्थियों को हिंदी में बातचीत करने हेतु प्रोत्साहन अवश्य दें। पाठों के अंत में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर पाठ में प्रयुक्त नए शब्दों के अर्थ दिए गए हैं।

अत: व्यवस्थागत सुधारों और प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के लिए आपकी टिप्पणियों और सुझावों का स्वागत है।

Copyright SCERT Assam
not to be republished

कहाँ, क्या है

आमुख		V
पाठ्यपुस्तक से संबंधित दो बातें		VI
1.	नन्हा-मुन्ना राही हूँ (गीत)	8 - 12
2.	चार मित्र	13 - 19
3.	एक तेजस्वी और दयावान बालक	20 - 27
4.	मेरी राजस्थान यात्रा	28 - 35
5.	जीना-जिलाना मत भूलना	36 - 40
6.	चाय : असम की एक पहचान	41 - 47
7.	हार की जीत	48 - 55
8.	अपनों के पत्र	56 - 61
9.	सुमन एक उपवन के	62 - 65
10.	स्वाधीनता संग्राम में पूर्वोत्तर की वीरांगनाएँ	66 - 71
11.	कागज की कहानी	72 - 78
12.	अशोक का शस्त्र-त्याग	79 - 86
13.	भगतिन मौसी	87 - 91
14.	आओ, स्कूल चलें (सब पढ़े, सब बढ़े)	92 - 99
15.	तुम कब जाओगे, अतिथि	100 - 104
16.	अमृत वाणी	105 - 110
	पाठों में निहित योग्यताएँ	111 - 112

Copyright SCERT, Assam
to be republished